



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-सा.-28082021-229286
CG-DL-W-28082021-229286

साप्ताहिक/WEEKLY
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 35] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 28—सितम्बर 3, 2021 (भाद्रपद 6, 1943)
No. 35] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 28—SEPTEMBER 3, 2021 (BHADRA 6, 1943)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

	पृष्ठ सं.		पृष्ठ सं.
भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं.....	549	छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं.....	*
भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	633	भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं).....	*
भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	1	भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश.....	*
भाग I—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	2293	भाग III—खण्ड-1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.....	1885
भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम.....	*	भाग III—खण्ड-2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस.....	*
भाग II—खण्ड-1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ.....	*	भाग III—खण्ड-3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.....	*
भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट.....	*	भाग III—खण्ड-4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं.....	157
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं).....	*	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस.....	1629
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम और आदेश.....	*	भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूर्णक.....	*

*आंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

CONTENTS

	Page No.		Page No.
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	549	(other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	633	PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence.....	1	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	2293	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	1885
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations.....	*	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi language, of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	157
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	1629
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India		PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*

*Folios not received.

भाग I—खण्ड 1
[PART I—SECTION 1]

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 जनवरी 2021

सं. 88 प्रेज/2021—राष्ट्रपति, दिल्ली अग्निशमन सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए राष्ट्रपति का अग्निशमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

1. श्री सत्यवान
स्टेशन ऑफिसर
2. श्री महावीर सिंह
लीडिंग फायरमैन
3. स्व: अमित कुमार (मरणोपरांत)
फायर ऑपरेटर
4. श्री मंजीत राणा
फायर ऑपरेटर

2. श्री सत्यवान, स्टेशन ऑफिसर, श्री महावीर सिंह, लीडिंग फायरमैन, स्व: श्री अमित कुमार, फायर ऑपरेटर और श्री मंजीत राणा, फायर ऑपरेटर 2020 की अवधि में दिल्ली अग्निशमन सेवा में कार्यरत थे।

3. दिनांक 02.01.20 को 04.16 बजे कंट्रोल रूम में सूचना प्राप्त हुई कि पीरागढ़ी के निकट डी-7 उद्योग नगर औद्योगिक क्षेत्र में आग लग गई है। सूचना मिलते ही स्टेशन ऑफिसर श्री सत्यावन के नेतृत्व में उद्योगनगर एवं ज्वाला हेडी से बचाव दल फायर टेंडर के साथ घटनास्थल की ओर रवाना हुए। घटनास्थल पहुँचने पर देखा की इमारत के भूतल से आग की तीव्र लपटें, घने धुएँ के साथ निकल रही है। उन्होंने लीडिंग फायरमैन श्री महावीर सिंह, फायर ऑपरेटर, श्री अमित कुमार और श्री मंजीत राणा के साथ मिलकर आग बुझाने का कार्य दोनों तरफ से शुरू किया। कुछ समय पश्चात असिस्टेंट डिविजनल ऑफिसर ए.के. जायसवाल, डिविजनल ऑफिसर श्री ए.के. मलिक और डिप्टी चीफ फायर ऑफिसर, श्री धर्मपाल भरद्वाज भी घटनास्थल पर पहुँचे और आग को मीडियम तथा मेजर कैटेगरी का घोषित किया। डिप्टी चीफ फायर ऑफिसर के अगुवाई में विशेष दस्ता जिसमें 20 अग्निशमन दल के सदस्य थे उन्होंने पूरी ताकत लगाकर आग को आसपास की इमारत तक फैलने से बचाने का कार्य शुरू किया। अधिक तापमान एवं घने धुएँ जैसी विपरीत परिस्थितियों में अपने जीवन की परवाह न करते हुए दल आग को बुझाने के लिए भूतल में आग की सतह तक पहुँचा। दुर्भाग्य से तहखाने में एक धमाके से इमारत पूर्णतः दह गई। फायर ऑपरेटर श्री अमित कुमार, श्री मंजीत राणा, लीडिंग फायरमैन श्री महावीर सिंह और स्टेशन ऑफिसर श्री सत्यवान मलबे में दब गये। दल के दूसरे सदस्यों ने उन्हें निकालकर अस्पताल में भर्ती करवाया। फायर ऑपरेटर श्री अमित कुमार गंभीर चोटों से लड़ते हुये अस्पताल में अपने प्राणों का बलिदान दे दिया।

4. श्री सत्यवान, स्टेशन ऑफिसर, श्री महावीर सिंह, लीडिंग फायरमैन, स्व: श्री अमित कुमार, फायर ऑपरेटर और श्री मंजीत राणा, फायर ऑपरेटर ने उत्कृष्ट वीरता, अदम्य साहस, व्यवसायिक कुशलता, कुशल नेतृत्व एवं उच्च कोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

5. यह पुरस्कार वीरता के लिए राष्ट्रपति का अग्निशमन सेवा पदक पुरस्कार को शासित करने वाली नियमावली के नियम 3(1) के अनुसार प्रदान किये जाते हैं और परिणामतः नियम 5(क) के अनुसार अनुमय विशेष भत्ता दिनांक 02.01.2020 से इसके साथ देय होगा।

फ.सं. 18005/1/2020-सीए-II

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 89-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू एवं कश्मीर अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए राष्ट्रपति का अग्निशमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

1. स्व: रत्न चन्द (मरणोपरांत)
लीडिंग फायरमैन
2. स्व: मोहम्मद असलम (मरणोपरांत)
सेलेक्शन ग्रेड फायरमैन
3. स्व: विमल रैना (मरणोपरांत)
फायरमैन

2. स्व: रत्न चन्द, लीडिंग फायरमैन, स्व: मोहम्मद असलम, सेलेक्शन ग्रेड फायरमैन एवं स्व: विमल रैना, फायरमैन 2020 की अवधि में जम्मू एवं कश्मीर अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा में कार्यरत थे।

3. दिनांक 12.02.20 को 04.50 बजे गांधीनगर जम्मू अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा के नियंत्रण कक्ष में सूचना प्राप्त हुई कि गोल पुल्ले, तलाव तिल्लो, जम्मू की एक इमारत में आग लग गई है। तत्काल बचाव दल घटनास्थल की ओर रवाना हुई। वहाँ पहुँचकर दल ने देखा की आग एक तीन मंजिला इमारत में लगी है जिसमें लकड़ी के कूदे धरातल पर भरे हुये हैं और प्रवेश इमारत की केवल अगली और पिछली तरफ से ही संभव है। इमारत घनी आबादी के इलाके में स्थित थी। श्री रत्न चन्द, लीडिंग फायरमैन, श्री मोहम्मद असलम, सेलेक्शन ग्रेड फायरमैन और श्री विमल रैना, फायरमैन ने समय न गवाते हुए आग बुझाने का कार्य शुरू किया। उन्होंने अपने जीवन की परवाह न करते हुए जलती हुई इमारत के अन्दर पहुँचकर दो नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला। जब वे आग को इमारत के और अन्दर जाकर बुझाने का प्रयास कर रहे थे उसी समय अचानक इमारत ढह गई और कुछ फायरमैन फंस गये। इसमें श्री रत्न चन्द, लीडिंग फायरमैन, श्री मोहम्मद असलम, सेलेक्शन ग्रेड फायरमैन और श्री विमल रैना, फायरमैन भी शामिल थे। इन लोगों को एन.डी.आर.एफ और एस.डी.आर.एफ. की मदद से बाहर निकालकर जी.एम.सी. जम्मू में दाखिल कराया गया जहाँ पर उन्हें मृत घोषित किया गया।

4. स्व: रत्न चन्द, लीडिंग फायरमैन, स्व: मोहम्मद असलम, सेलेक्शन ग्रेड फायरमैन एवं स्व: विमल रैना, फायरमैनने उत्कृष्ट वीरता, अदम्य साहस, व्यवसायिक कुशलता, कुशल नेतृत्व एवं उच्च कोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

5. यह पुरस्कार वीरता के लिए राष्ट्रपति का अग्निशमन सेवा पदक पुरस्कार को शासित करने वाली नियमावली के नियम 3(1) के अनुसार प्रदान किये जाते हैं और परिणामतः नियम 5(क) के अनुसार अनुमय विशेष भत्ता दिनांक 12.02.2020 से इसके साथ देय होगा।

फ.सं. 18005/1/2020-सीए-II

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 90 प्रेज/2021—राष्ट्रपति, तमिलनाडु अग्निशमन एवं बचाव सेवा के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए राष्ट्रपति का अग्निशमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

- स्व: राजकुमार राजेंद्रन (मरणोपरांत)
फायरमैन

2. स्व: राजकुमार राजेंद्रन, फायरमैन 2020 की अवधि में तमिलनाडु अग्निशमन एवं बचाव सेवा में कार्यरत थे।

3. दिनांक 12.07.2020 को लगभग 17.27 बजे पेरम्बलूर अग्निशमन एवं बचाव केन्द्र में सूचना प्राप्त हुई कि सेलियामपलयम पेरम्बलूर तालुक, जिला पेरम्बलूर के एक कुएँ में 2 व्यक्ति फंसे हुए हैं। सूचना मिलते ही तत्काल स्टेशन ऑफिसर श्री पी. सथियावर्थन बचाव दल के साथ घटनास्थल की ओर रवाना हुए। घटनास्थल पहुँचने पर दल ने पाया की दो आदमी 65 फीट गहरे कुएँ में फंसे हुये हैं और अपनी जिन्दगी बचाने के लिए जुझ रहे हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए फायरमैन 8149 आर. राजकुमार सामने आये और अपने जान की परवाह ना करते हुए साथियों की मदद से कुएँ में उतर गये। श्री बासकरन जो की कुएँ में फंसे होने की वजह से मुश्किल से सांस ले पा रहे थे, फायरमैन 8149 आर. राजकुमार ने उन्हें जिन्दगी बचाने वाली रस्सी की मदद से सुरक्षित बांधकर दल को उन्हें ऊपर खींचने का इशारा किया। इशारा मिलते ही दल ने श्री बासकरन को सुरक्षित बाहर निकालकर पास के ही अस्पताल में भर्ती करवाया। फायरमैन 8149 आर. राजकुमार जब दूसरे व्यक्ति को बचाने का प्रयास कर रहे थे तभी वे जहरीली गैस की वजह से बेहोश होकर कुएँ में गिर पड़े। उन्हें तुरन्त ही दल के सदस्य श्री एम. बालराज, फायरमैन 8840 और श्री डी. धनपाल फायरमैन ड्राइवर 8601 ने बचाकर अस्पताल में भर्ती कराया जहाँ पर जिन्दगी से जुझते हुए उन्होंने अपने प्राणों का बलिदान दे दिया।

4. स्वः राजकुमार राजेंद्रन, फायरमैन ने उत्कृष्ट वीरता, अदम्य साहस, व्यवसायिक कुशलता एवं उच्च कोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

5. यह पुरस्कार वीरता के लिए राष्ट्रपति का अग्निशमन सेवा पदक पुरस्कार को शासित करने वाली नियमावली के नियम 3(1) के अनुसार प्रदान किये जाते हैं और परिणामतः नियम 5(क) के अनुसार अनुमय विशेष भत्ता दिनांक 12.07.2020 से इसके साथ देय होगा।

फ.सं. 18005/1/2020-सीए-II

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 91-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, कर्नाटक राज्य अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

श्री सुगनगौड़ा
फायरमैन ड्राइवर

2. श्री सुगनगौड़ा, फायरमैन ड्राइवर 2019 की अवधि में कर्नाटक राज्य अग्निशमन सेवा एवं आपातकालीन सेवा में कार्यरत थे।

3. 12 अगस्त 2019 को प्रातःकाल टी.बी. जलाशय से 2.70 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया जिससे तुंगभद्रा नदी में बाढ़ आ गई। कोप्पल जिले के गंगावती तालुक के विरुपापुरा गड्डे में बाढ़ के कारण 360 से अधिक पर्यटक नदी के दूसरी तरफ फंस गये, जिसमें कई विदेशी नागरिक भी शामिल थे। घटना की सूचना मिलते ही श्री पी.आर.एस. चेतन, एडिशनल चीफ ऑफिसर के नेतृत्व में श्री गौतम हब्बुर गुरुमुर्ती डिप्टी डिविजनल वार्डेन, श्री नागराजु पी. गृह रक्षक और श्री सुगनगौड़ा फायरमैन ड्राइवर बचाव दल के साथ कोप्पल जिला की ओर रवाना हुए एवं बचाव कार्य शुरू किया।

4. श्री चेतन दल के साथ अपनी जान की परवाह किये बिना उफनती नदी के दूसरे तरफ फंसे लोगों को बचाने की चुनौती स्वीकार की। यह नदी जानलेवा चट्टाने, भँवर एवं मगरमच्छ के लिए जानी जाती थी। बचाव दल ने रबड़ की नाव जिसमें ओ.बी.एम. लगी हुई थी जिसे फायरमैन ड्राइवर श्री सुगनगौड़ा चला रहे थे उसके सहारे उफनती नदी के कई चक्कर लगाकर लोगों की जान बचाना शुरू किया। बचाव दल ने पुनः इस कठिन एवं चुनौतीपूर्ण स्थिति में बचाव कार्य शुरू किया एवं तुंगभद्रा नदी पार करके कई बहुमूल्य जीवन की रक्षा की। श्री चेतन के नेतृत्व में प्रतिदिन 16 से 18 घंटे कार्य करके कई बचाव अभियान कठिन इलाके में एक सप्ताह तक किया और 286 बहुमूल्य जीवन एवं मवेशियों को बचाया।

5. बचाव अभियान के दौरान उनकी नाव तुंगभद्रा नदी की तीव्र धारा के कारण पलट गई और श्री सुगनगौड़ा दल के साथ नदी की धारा में बह गये। श्री सुगनगौड़ा ने एक पेड़ को कुछ देर तक पकड़े रखा, लेकिन तीव्र धारा के कारण वे पुनः बह गये। श्री सुगनगौड़ा, फायरमैन ड्राइवर झाड़ियों में फंस गये और विपरीत परिस्थितियों के बावजूद अपने प्राणों की रक्षा के लिए हर संभव संघर्ष करते रहे। श्री सुगनगौड़ा, फायरमैन ड्राइवर ने तीव्र नदी के धारा में साहस और वीरता के साथ तैरते हुये स्थानीय मछुआरों और ग्रामीणों की मदद से स्वयं को बचाया।

6. श्री सुगनगौड़ा, फायरमैन ड्राइवर ने उत्कृष्ट वीरता, अदम्य साहस, व्यवसायिक कुशलता एवं उच्च कोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

7. यह पुरस्कार वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक पुरस्कार को शासित करने वाली नियमावली के नियम 3(1) के अनुसार प्रदान किये जाते हैं और परिणामतः नियम 5(क) के अनुसार अनुमय विशेष भत्ता दिनांक 12.08.2019 से इसके साथ देय होगा।

फ.सं. 18005/1/2020-सीए-II

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 92-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, ओडिशा अग्निशमन सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

श्री कश्यप कुमार पट्टनायक
लीडिंग फायरमैन

2. श्री कश्यप कुमार पट्टनायक, लीडिंग फायरमैन 2019 की अवधि में ओडिशा अग्निशमन सेवा में कार्यरत थे।

3. दिनांक 22.11.2019 को 10 बजकर 25 मिनट पर चीफ लाइब्रेरियन ने शहीद नगर पुलिस स्टेशन और भुवनेश्वर फायर स्टेशन को सूचित किया कि श्री सुबोध कुमार बारिक, निवासी गाँव-प्रहाराजपुर, पुलिस स्टेशन-पट्टामुण्डै, जिला-केंद्रपारा, परिजा लाइब्रेरी के 80 फीट ऊँचे छज्जे पर चढ़ गया और वहाँ से कूदने की धमकी दे रहा है। फायर एवं रेस्क्यू दल भुवनेश्वर फायर स्टेशन से घटनास्थल पर पहुँचकर श्री सुबोध कुमार को बचाने के सारे प्रयास किये परन्तु सभी विफल हुए। श्री रमेश चन्द्र माझी, डिप्टी चीफ फायर ऑफिसर ने ओडिशा फायर एवं डिजास्टर रिस्पांस एकेडमी के ट्रेनर की मदद मांगी। ओडिशा फायर एवं डिजास्टर रिस्पांस एकेडमी का दल घटनास्थल पर पहुँचा जिसमें लीडिंग फायरमैन श्री कश्यप कुमार पट्टनायक भी शामिल थे। लीडिंग फायरमैन श्री कश्यप कुमार पट्टनायक अपने साथ पुलिस ऑफिसर शहीद नगर पुलिस स्टेशन और श्री सुबोध कुमार बारिक के चचेरे भाई को लेकर हाईड्रोलिक प्लेटफार्म की मदद से श्री सुबोध कुमार बारिक जो की 80 फीट ऊँचाई पर थे उनके करीब पहुँचे। जब श्री सुबोध कुमार बारिक का चचेरे भाई उससे बातें करने लगा तभी लीडिंग फायरमैन, श्री कश्यप कुमार पट्टनायक ने हाईड्रोलिक प्लेटफार्म से परिजा लाइब्रेरी की फिसलती हुई छत पर अपनी जान की परवाह न करते हुए कुदकर श्री सुबोध कुमार बारिक को दबोचकर जीवित बचा लिया। पीड़िता को कैपिटल अस्पताल, भुवनेश्वर में उपचार हेतु भेजा गया।

4. श्री कश्यप कुमार पट्टनायक, लीडिंग फायरमैन ने उत्कृष्ट वीरता, अदम्य साहस, व्यवसायिक कुशलता एवं उच्च कोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

5. यह पुरस्कार वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक पुरस्कार को शासित करने वाली नियमावली के नियम 3(1) के अनुसार प्रदान किये जाते हैं और परिणामतः नियम 5(क) के अनुसार अनुमय विशेष भत्ता दिनांक 22.11.2019 से इसके साथ देय होगा।

फ.सं. 18005/1/2020-सीए-II

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 93.प्रेज/2021—राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस 2021 के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का अग्निशमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

1. श्री अमृतलाल करसने
असिस्टेंट डायरेक्टर (फायर)
दमन एवं दीव
2. श्री राजेश पंवार
चीफ फायर ऑफिसर
दिल्ली
3. श्री संजय कुमार तोमर
डिप्टी चीफ फायर ऑफिसर
दिल्ली
4. श्री वासवनाना चिक्का वासावैया
डिप्टी डायरेक्टर
कर्नाटक
5. श्री प्रवीण
असिस्टेंट फायर स्टेशन ऑफिसर
कर्नाटक
6. श्री जॉर्ज टी.ए.
असिस्टेंट स्टेशन ऑफिसर
केरल
7. श्री देवेन्द्र प्रभाकर पोटफोडे
चीफ फायर ऑफिसर
महाराष्ट्र
8. श्री कमल कांत पुहाण
लीडिंग फायरमैन
ओडिशा

9. श्री इन्द्र कुमार राय
डिप्टी चीफ फायर ऑफिसर
सिक्किम
10. श्री प्रताप सिंह रावत
असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर (फायर)
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, गृह मंत्रालय
11. श्री हरिश श्रीनिवास
असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर (फायर)
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, गृह मंत्रालय
12. श्री हम्बीर सिंह
असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर (फायर)
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, गृह मंत्रालय
13. श्री जगदीश फकीरचन्द बाथव
जूनियर डेमोस्ट्रेटर
राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा महाविद्यालय, गृह मंत्रालय

2. यह पुरस्कार विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का अग्निशमन सेवा पदक पुरस्कार को शासित करने वाले नियमों के नियम 3 (ii) के तहत प्रदान किया जाता है।

फसीए-2020/1/18005 .सं.-II

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 94-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस 2021 के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी सराहनीय सेवा के लिए अग्निशमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

1. श्री मोती लाल पॉल
सब इंस्पेक्टर (स्टेशन ऑफिसर)
अंडमान एवं निकोबार
2. श्रीवुरू माली
स्टेशन ऑफिसर
अरुणाचल प्रदेश
3. श्री गकूल चन्द्र दास
सब ऑफिसर
असम
4. श्री विपुल कुमार दास
लीडिंग फायरमैन
असम
5. श्री कृष्णा प्रसाद सिंह
फायर स्टेशन ऑफिसर
बिहार
6. श्री सुदामा राम
लीडिंग ड्राईवर
बिहार

7. श्री तुलसिदास मंगरी
असिस्टेंट स्टेशन फायर ऑफिसर
दमन एवं द्वीव
8. श्री राजेश कुमार
असिस्टेंट डिविजनल ऑफिसर
दिल्ली
9. श्री यशवंत सिंह मीना
स्टेशन ऑफिसर
दिल्ली
10. श्री राम पाल
लीडिंग फायरमैन
दिल्ली
11. श्री सुभाष चन्द्र बार्थवाल
असिस्टेंट वायरलेस ऑफिसर
दिल्ली
12. श्री अशोक कुमार
सब फायर ऑफिसर
हिमाचल प्रदेश
13. श्री पुरन सिंह
लीडिंग फायरमैन
जम्मू एवं कश्मीर
14. श्री सतपाल खजुरिया
लीडिंग फायरमैन
जम्मू एवं कश्मीर
15. श्री जी. कृष्णोजी
फायर स्टेशन ऑफिसर
कर्नाटक
16. श्री बैंगर योगेश पद्माय
लीडिंग फायरमैन
कर्नाटक
17. श्री एम. तुलसीरमप्पा
फायरमैन ड्राईवर
कर्नाटक
18. श्री वेदराल रविन्द्रनाथ राजेश
फायरमैन
कर्नाटक
19. श्री अब्दुल राशीद के.
रीजनल फायर ऑफिसर
केरल
20. श्री नसार पी.
सीनियर फायर एवं रेस्क्यू ऑफिसर
केरल
21. श्री संजय दादाजी पवार
आई/सी चीफ फायर ऑफिसर
महाराष्ट्र

22. श्री धर्मराज नारायणराव नाकोड
असिस्टेंट स्टेशन ऑफिसर
महाराष्ट्र
23. श्री राजाराम कालु केदारी
लीडिंग फायरमैन
महाराष्ट्र
24. श्री वनलंबोक लपंग
लीडिंग फायरमैन
मेघालय
25. श्री वनललरूआला
लीडिंग फायरमैन
मिजोरम
26. श्री ए.डब्ल्यू. जमीर
इंस्पेक्टर (फायर)
नागालैंड
27. श्री शरत चन्द्र मल्लीक
असिस्टेंट फायर ऑफिसर
ओडिशा
28. श्री प्रदिप कुमार पट्टनायक
स्टेशन ऑफिसर
ओडिशा
29. श्री प्रकाश कुमार बेहेरा
लीडिंग फायरमैन
ओडिशा
30. श्री बलभद्र देहुरी
ड्राइवर हवलदार
ओडिशा
31. श्री विशाल कुमार गुरुंग
चीफ फायर ऑफिसर
सिक्किम
32. श्री राधाकृष्णन अलगिरीसमी राजू
स्टेशन ऑफिसर
तमिलनाडु
33. श्री अंग्मुतू मुतूसामि
ड्राइवर मैकेनिक
तमिलनाडु
34. श्री मुरलीधरन नामाथ कोट्टा
फायरमैन ड्राइवर
तमिलनाडु
35. श्री चेल्लप्पांडि पिच्चै
फायरमैन
तमिलनाडु

36. श्री यग्न नारायाणा अन्नापारेडुडी
डिस्ट्रिक्ट फायर ऑफिसर
तेलंगना
37. श्री जगदीश्वर कट्टा
लीडिंग फायरमैन
तेलंगना
38. श्री संतोष कुमार राय
चीफ फायर ऑफिसर
उत्तर प्रदेश
39. श्री दया किशन
फायर स्टेशन सेकंड ऑफिसर
उत्तराखंड
40. श्री कुंवर सिंह राणा
लीडिंग फायरमैन
उत्तराखंड
41. श्री सत्यव्रत रॉय
स्टेशन ऑफिसर
पश्चिम बंगाल
42. श्री शेख इमामुल हुसैन
सब ऑफिसर
पश्चिम बंगाल
43. श्री रविन कुंडू
लीडर
पश्चिम बंगाल
44. श्री मिलन कुमार दत्ता
फायर ऑपरेटर
पश्चिम बंगाल
45. श्री शिव प्रताप
असिस्टेंट कमांडेंट (फायर)
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, गृह मंत्रालय
46. श्री मंजूनाथा आर
असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर (फायर)
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, गृह मंत्रालय
47. श्री रमेश रामाजी धारणे
फायर एवं रेस्क्यू ऑपरेटर
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, गृह मंत्रालय
48. श्री दानसिंह माधोसिंह चौधरी
चीफ फायरमैन
पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय
49. श्री नैजू अम्बाट्टु वर्की
डिप्टी जनरल मैनेजर (फायर एवं सेफ्टी)
पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय

50. श्री देव कांत बरूआ
सुपरवाइजर (सर्विस फायर)
पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय

2. यह पुरस्कार, सराहनीय सेवा के लिए अग्निशमन सेवा पदक पुरस्कार को शासित करने वाले नियमों के नियम 3 (ii) के तहत प्रदान किया जाता है।

फ.सं. 18005/1/2020-सीए-I

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 163-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, ओडिशा गृह रक्षक एवं नागरिक सुरक्षा के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए राष्ट्रपति का गृह रक्षक एवं नागरिक सुरक्षा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

स्व: श्री बनवासी मोहराना
गृह रक्षक

2. स्व: श्री बनवासी मोहराना, गृह रक्षक 2020 की अवधि में ओडिशा गृह रक्षक में कार्यरत थे।

3. दिनांक 05 सितम्बर 2020 को ऑरकेल पुलिस स्टेशन में सूचना प्राप्त हुई कि लगभग 100 व्यक्ति चित्रकुंडा पुलिस स्टेशन से बड़गाँव की ओर प्रतिबंधित गांजे की तस्करी कर रहे हैं। तत्काल 24 सुरक्षा कर्मियों का एक दल, जिसमें श्री बनवासी मोहराना भी शामिल थे, तस्करों को पकड़ने के लिए निकल पड़े। कार्रवाई के दौरान श्री मोहराना इस बात से अवगत थे कि इन तस्करों के पास खतरनाक हथियार होंगे और वे उन्हें नुकसान पहुँचा सकते हैं। तस्करों की भारी संख्या होने के बावजूद श्री मोहराना ने तस्करों को साहस पूर्वक चुनौती दी एवं निडरता पूर्वक उनका मुकाबला किया। कार्रवाई में अग्रणी होने की वजह से तस्करों ने उन पर बुरी तरह से हमला कर दिया, जिसकी वजह से उनकी मृत्यु हो गई। उनके इस साहसिक प्रयास एवं बलिदान के कारण सुरक्षा कर्मियों ने 1917 किलोग्राम गांजे को जब्त एवं 42 तस्करों को हिरासत में लेने में सफल रहे।

4. स्व: श्री बनवासी मोहराना, गृह रक्षक ने उत्कृष्ट वीरता, अदम्य साहस, व्यवसायिक कुशलता, कुशल नेतृत्व एवं उच्च कोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

5. यह पुरस्कार वीरता के लिए राष्ट्रपति का गृह रक्षक एवं नागरिक सुरक्षा पदक पुरस्कार को शासित करने वाली नियमावली के नियम 3(1) के अनुसार प्रदान किये जाते हैं और परिणामतः नियम 5 के अनुसार अनुमय विशेष भत्ता दिनांक 05.09.2020 से इसके साथ देय होगा।

फ.सं. 18005/1/2020-सीए-II

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 164-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, राजस्थान गृह रक्षक के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए राष्ट्रपति का गृह रक्षक एवं नागरिक सुरक्षा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

स्व: श्री केवल सिंह
गृह रक्षक स्वयंसेवक (बॉर्डर)

2. स्व: श्री केवल सिंह, गृह रक्षक स्वयंसेवक (बॉर्डर) 2020 की अवधि में राजस्थान गृह रक्षक में कार्यरत थे।

3. दिनांक 26 जुलाई 2020 को श्री केवल सिंह अलवर के सरिस्का टाईगर रिजर्व में बलदेव गढ़ चेक पोस्ट पर सुरक्षा गार्ड के रूप में तैनात थे। झूटी के दौरान उन्होंने देखा कि कुछ लोग ट्रैक्टर ट्रालियों के साथ वन क्षेत्र में अवैध पत्थर खनन कर रहे हैं। तत्काल श्री केवल सिंह ने अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए बहादुरी के साथ उन लोगों को चुनौती दी। जिसके कारण खनन माफियाओं ने वहाँ से भागने की कोशिश की। साहसिक जवान ने अकेले ही निडरता के साथ माफियाओं को पकड़ने का हर संभव प्रयास किया। इसी क्रम में क्रूर माफियाओं ने श्री केवल सिंह को पडयंत्र के तहत पत्थरों से भरी ट्राली के नीचे कुचल दिया जो उनके लिए जानलेवा साबित हुआ। उन्होंने होमगार्ड की सेवा भावना को सार्थक करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया एवं राजस्थान होमगार्ड में एक प्रेरणा के स्रोत बन गये।

4. स्वः श्री केवल सिंह, गृह रक्षक स्वयंसेवक (बॉर्डर) ने उत्कृष्ट वीरता, अदम्य साहस, व्यवसायिक कुशलता, कुशल नेतृत्व एवं उच्च कोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

5. यह पुरस्कार वीरता के लिए राष्ट्रपति का गृह रक्षक एवं नागरिक सुरक्षा पदक पुरस्कार को शासित करने वाली नियमावली के नियम 3(1) के अनुसार प्रदान किये जाते हैं और परिणामतः नियम 5 के अनुसार अनुमय विशेष भत्ता दिनांक 26.07.2020 से इसके साथ देय होगा।

फ.सं. 18005/1/2020-सीए-II

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 165-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, राजस्थान गृह रक्षक के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए राष्ट्रपति का गृह रक्षक एवं नागरिक सुरक्षा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

स्वः श्री भवानी सिंह
गृह रक्षक स्वयंसेवक (बॉर्डर)

2. स्वः श्री भवानी सिंह, गृह रक्षक स्वयंसेवक (बॉर्डर) 2020 की अवधि में राजस्थान गृह रक्षक में कार्यरत थे।

3. दिनांक 17 सितम्बर 2020 को श्री भवानी सिंह, सहायक खनन अभियंता एवं मंडावर पुलिस स्टेशन के एक दल के साथ गोपाल गढ़ गाँव (दौसा) के पास चेकपोस्ट पर तैनात थे। दोपहर 2 बजे के आस-पास उन्होंने देखा कि चार ट्रैक्टर अवैध रूप से बजरी ले जा रहे हैं। उनकी टीम ने ट्रैक्टर ट्रालीयों को ज्वत कर लिया तथा नजदीकी पुलिस स्टेशन को सौंपने जाने लगे। इसी दौरान एक ट्रैक्टर चालक अपना ट्रैक्टर छोड़कर भाग निकला। जिसे श्री सिंह और अन्य कांस्टेबलों ने अपने नियंत्रण में ले लिया। रास्ते में एक ट्राली सड़क से फिसलकर रेत में फंस गई, जिसकी सुरक्षा के लिए 2 कांस्टेबलों को तैनात कर टीम आगे निकल गई। इसी बीच गढ़ हिम्मत सिंह गाँव के पास स्कार्पियो एवं जीप से छः से सात अवैध माफिया पहुँचे और ट्रैक्टर छोड़ने की धमकी देने लगे। माफियाओं ने श्री सिंह एवं कांस्टेबल को ट्रैक्टर से नीचे उतारने के लिए उकसाया व श्री सिंह के ट्रैक्टर को, जो सबसे आगे था, अलग कर उन पर हमला कर दिया। श्री सिंह ने भी समर्पण नहीं किया एवं बहादुरी के साथ चालक को पकड़े रखा। माफियाओं ने षडयंत्र के तहत उन्हें चारों तरफ से घेरकर उन्हें ट्रैक्टर से नीचे धकेल दिया इसी बीच ट्रैक्टर ट्राली भी पलट गई। इस घटनाक्रम में श्री सिंह गंभीर रूप से घायल हो गये और उन्होंने अस्पताल ले जाते समय अपने प्राण न्यौछावर कर दिये।

4. स्वः श्री भवानी सिंह, गृह रक्षक स्वयंसेवक (बॉर्डर) ने उत्कृष्ट वीरता, अदम्य साहस, व्यवसायिक कुशलता, कुशल नेतृत्व एवं उच्च कोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

5. यह पुरस्कार वीरता के लिए राष्ट्रपति का गृह रक्षक एवं नागरिक सुरक्षा पदक पुरस्कार को शासित करने वाली नियमावली के नियम 3(1) के अनुसार प्रदान किये जाते हैं और परिणामतः नियम 5 के अनुसार अनुमय विशेष भत्ता दिनांक 17.09.2020 से इसके साथ देय होगा।

फ.सं. 18005/1/2020-सीए-II

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 166-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस 2021 के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का गृह रक्षक एवं नागरिक सुरक्षा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

1. श्री बलजीत सिंह सोलंकी
एडिशनल चीफ वार्डन (गृ.र.)
दिल्ली
2. श्री प्रिय व्रत शर्मा
कंपनी कमांडर (गृ.र.)
हिमाचल प्रदेश
3. श्री प्रदीप कुमार पट्टनायक
कंपनी कमांडर (गृ.र.)
ओडिशा

4. श्री सुदाम चरण पट्टनायक
प्लाटून कमांडर (गृ.र.)
ओडिशा

2. यह पुरस्कार विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का गृह रक्षक एवं नागरिक सुरक्षा पदक पुरस्कार को शासित करने वाले नियमों के नियम 3 (ii) के अनुसार प्रदान किया जाता है।

फ.सं. 18005/1/2020-सीए-II

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 167-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस 2021 के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी सराहनीय सेवा के लिए गृह रक्षक एवं नागरिक सुरक्षा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

1. श्रीमती अन्नकूटी टॉमस
गृह रक्षक (आर)/154
अंडमान एवं निकोबार
2. श्रीमती जी. नीला वेनी
गृह रक्षक (आर)/186
अंडमान एवं निकोबार
3. श्री हेमांग तालुकदार
जूनियर स्टाफ ऑफिसर (ना.सु.)
असम
4. श्री परेश चंद्र पाठक
सूबेदार (गृ.र.)
असम
5. श्री अतुल चन्द्र बर्मन
प्लाटून कमांडर (गृ.र.)
असम
6. श्री महादेव शर्मा
प्लाटून कमांडर (गृ.र.)
असम
7. श्री गोपाल चन्द्र दास
पोस्ट वार्डन (ना.सु.)
असम
8. श्री अभय कुमार सिन्हा
गृह रक्षक
बिहार
9. श्री ललितेश्वर प्रसाद
गृह रक्षक
बिहार
10. श्री सुखवीर सिंह
प्लाटून सार्जेंट (गृ.र.)
चंडीगढ़

11. श्री संजय कुमार मिश्रा
डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट (गृ.र.)
छत्तीसगढ़
12. श्री नरसिंह नेताम
डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट (गृ.र.)
छत्तीसगढ़
13. श्री जितेन्द्र कुमार मिश्रा
कंपनी क्वार्टर मास्टर (गृ.र.)
छत्तीसगढ़
14. श्री जीवन लाल कन्नौजे
नायक (गृ.र.)
छत्तीसगढ़
15. श्री गुलाब सिंह राजपूत
लांस नायक (गृ.र.)
छत्तीसगढ़
16. श्री गोविंद प्रकाश तवर
सैनिक (गृ.र.)
छत्तीसगढ़
17. श्री जितेन्द्र कुमार महतो
जूनियर इंस्ट्रक्टर (ना.सु.)
दिल्ली
18. श्री हिरदेश कुमार चौहान
फील्ड मैसेंजर (ना.सु.)
दिल्ली
19. श्री इकबाल सिंह जगदेवा
सीनियर चीफ वार्डन (ना.सु.)
दिल्ली
20. कुमारी मिनाक्षी अनंत कुबल
आनरेरी प्लाटून कमांडर (गृ.र.)
गोवा
21. श्रीमती नयन दिपु वेलींगकर
गृह रक्षक स्वयंसेवक
गोवा
22. श्री राजेशकुमार केशवलाल भोई
सीनियर इंस्ट्रक्टर (गृ.र.)
गुजरात
23. श्री कांतिभाई अंबालाल पटेल
जूनियर स्टाफ ऑफिसर (गृ.र.)
गुजरात
24. श्री ललीतचन्द्र हरिशंकर व्यास
सब इंस्पेक्टर इंस्ट्रक्टर (गृ.र.)
गुजरात

25. श्री तेजाभाई रामजीभाई सोलंकी
हवलदार (गृ.र.)
गुजरात
26. श्री करणसिंह शिवसिंह कुंपावत (रिटा.)
सेकंड इन कमांड (गृ.र.)
गुजरात
27. श्री असोकसिंह लक्ष्मणसिंह जाडेजा
सूबेदार कंपनी कमांडर (गृ.र.)
गुजरात
28. श्री अरविंदभाई गणपतभाई बेकर
नायब सुबेदार प्लाटून कमांडर (गृ.र.)
गुजरात
29. श्री मोहित शर्मा
चीफ वार्डेन (ना.सु.)
हरियाणा
30. श्री वीरेंद्र सिंह मेहता
प्लाटून कमांडर (गृ.र.)
हिमाचल प्रदेश
31. श्री नागेश्वर कुमार
प्लाटून कमांडर (गृ.र.)
हिमाचल प्रदेश
32. श्री मनीष सिंह चौहान
सीनियर स्टाफ ऑफिसर (ना.सु.)
मध्य प्रदेश
33. श्री महेश कुमार पन्ने
डिवीजनल कमांडेंट (गृ.र.)
मध्य प्रदेश
34. श्री प्रीतिबाला सिंह
डिवीजनल कमांडेंट (गृ.र.)
मध्य प्रदेश
35. श्री थिओरिस सूलेन
हवलदार (गृ.र.)
मेघालय
36. श्री फेरसन रानी
लांस नायक (गृ.र.)
मेघालय
37. मो0 फारूक हुसैन
फायरमैन (ना.सु.)
मेघालय
38. श्री राजकुमार पाल
प्लाटून कमांडर (गृ.र.)
ओडिशा

39. श्री भवानी संकर कंहर
गृह रक्षक
ओडिशा
40. श्री सिसिरकांत साहू
गृह रक्षक
ओडिशा
41. श्री अक्षय कुमार नायक
गृह रक्षक
ओडिशा
42. श्री रविन्द्र सिंह चौहान
कंपनी कमांडर (गृ.र.)
राजस्थान
43. श्री शशि शेखर शर्मा
प्लाटून कमांडर (गृ.र.)
राजस्थान
44. श्री अखिल देवबर्मा
गृह रक्षक स्वयंसेवक
त्रिपुरा
45. श्री ललित मोहन जोशी
डिविजनल कमांडेंट (गृ.र.)
उत्तराखंड
46. श्री चन्द्रकिशोर
इंस्पेक्टर (गृ.र.)
उत्तराखंड
47. श्री बी. बास्कर
सीनियर इंस्पेक्टर (ना.सु.)
रेल मंत्रालय

2. यह पुरस्कार, सराहनीय सेवा के लिए गृह रक्षक एवं नागरिक सुरक्षा पदक पुरस्कार को शासित करने वाले नियमों के नियम 3 (ii) के अनुसार प्रदान किया जाता है।

फ.सं. 18005/1/2020-सीए-II

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 168-प्रेस/2021—राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस, 2021 के अवसर पर निम्नलिखित अफसर को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का तटरक्षक पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

- (i) महानिरीक्षक देव राज शर्मा, तटरक्षक पदक (5015-बी)
- (ii) महानिरीक्षक अरूण श्रीवास्तव, तटरक्षक पदक (4025-बी)

2. विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का तटरक्षक पदक प्रदान करने संबंधी नियम 4(iv) के तहत राष्ट्रपति का तटरक्षक पदक (विशिष्ट सेवा) प्रदान किया जाता है जोकि राष्ट्रपति सचिवालय अधिसूचना सं. 50-प्रेस/89 दिनांक 7 जून 1989 में अधिसूचित है।

फ. सं 18007/1/2020-सीए-II

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 169-प्रेस/2021—राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस, 2021 के अवसर पर, उप महानिरीक्षक अनुराग कौशिक (0428-वी) को वीरता के लिए तटरक्षक पदक सहर्ष प्रदान करते हैं।

प्रशस्ति उल्लेख

भारतीय तटरक्षक पोत सुजय को श्रीलंका के निकट मुक्त रूप से विचरित पोत “एमटी न्यू डायमंड” पर अग्निशमन अभियान हेतु दिनांक 03 सितंबर 2020 को निदेश दिया गया। घटनास्थल पर पहुंचे उप महानिरीक्षक अनुराग कौशिक ने संकटग्रस्त पोत के निकट अपने पोत को संभालते समय साहस एवं व्यावसायिक कुशलता का प्रदर्शन किया जहां एक चिंगारी से ही कुछ ही पल में बड़े पैमाने पर विनाश हो सकता था। भीषण आग, छिटपुट विस्फोटों, ज्वलनशील माल एवं खराब मौसम के कारण घटनास्थल पर बनी चुनौतीपूर्ण एवं खतरनाक स्थिति के बावजूद अफसर ने उड़ान अभियानों का समझदारी से मॉनिटर किया और संकटग्रस्त पोत पर सुरक्षित आरोहण के लिए बोर्डिंग दल का मार्गदर्शन किया।

2. मौके पर मौजूद कमांडर के रूप में अफसर को कई समवर्ती कार्यों का निष्पादन करना था अर्थात् अग्निशमन, पोतारोहण, उड़ान अभियान में सम्मिलित यूनिटों की मॉनिटरिंग/निदेशित करने सहित मौके पर मौजूद यूनिटों के साथ समन्वय कार्य एवं अद्यतन जानकारी से तटीय प्राधिकारियों को निरंतर अवगत कराने का कार्य ताकि यूनिटों की बारी-बारी से तैनाती की योजना बनाने के संबंध में सुविज्ञ निर्णय निर्धारण सुगम हो सके एवं अद्यतन जानकारी हेतु पोत के मालिकों से समन्वय स्थापित किया जा सके। संपूर्ण अभियान के दौरान अफसर ने समन्वित एवं प्रभावी अग्निशमन कार्य में शामिल क्षेत्र के 26 यूनिटों (भा.त.र. के 09, भारतीय नौसेना के 01, श्रीलंकाई नौसेना के 01 एवं 11 टग) की परिसंपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित की। मिशन को पूरा करने के लिए दृढ़ता के साथ मौसम की तीव्रता से उत्पन्न कठिनाइयों का सामना करते हुए अफसर ने साहस एवं उच्च कोटि की दक्षता का प्रदर्शन किया है।

3. उप महानिरीक्षक अनुराग कौशिक (0428-वी) ने स्वयं को बखूबी सिद्ध किया है और फलस्वरूप इन्हें तटरक्षक पदक (वीरता) प्रदान किया जाता है।

4. तटरक्षक पदक प्रदान करने संबंधी नियम 11(i) के तहत तटरक्षक पदक (वीरता) प्रदान किया जाता है तथा परिणामस्वरूप नियम 13 के अधीन तटरक्षक पदक (वीरता) प्राप्त करने वाले तटरक्षक कार्मिकों को विशेष भत्ता स्वीकार्य है जोकि राष्ट्रपति सचिवालय अधिसूचना सं. 50-प्रेस/89 दिनांक 7 जून 1989 में अधिसूचित है।

फ. सं 18007/1/2020-सीए-II

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 170-प्रेस/2021—राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस, 2021 के अवसर पर, प्रताप नारायण, प्रधान अधिकारी (एम इ), 02433-एल को वीरता के लिए तटरक्षक पदक सहर्ष प्रदान करते हैं।

प्रशस्ति उल्लेख

प्रताप नारायण, प्रधान अधिकारी(एम इ) ने दिनांक 03 सितंबर 2020 को श्रीलंका से काफी अधिक मात्रा में कच्चा तेल ले जा रहे पोत (वीएलसीसी) ‘एमटी न्यू डायमंड’ पर लगी आग को सफलतापूर्वक काबू में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। उन्होंने आग लगने की सही जगह का पता लगाने के लिए बाह्य अग्निशमन (ईएफएफ) प्रणाली की कमी को समय पर पकड़ लिया। आग को बुझाने के लिए आग लगने की सही जगह का पता होना अनिवार्य है, इसलिए उन्होंने मॉनिटर का दस्ती संचालन किया, जिसका उद्देश्य वॉटर जेट का आग लगने की सही जगह पर लगातार प्रयोग करना था। भारी रोल एवं पिच ने आग लगने की सही जगह का पता लगाने में बाधा उत्पन्न कर दी। पर वे विचलित नहीं हुए। आग की निकटता के कारण उत्पन्न गर्मी ने अग्निशमन कार्य की तीव्रता को और भी उत्तेजित कर दिया। हालांकि, उन्होंने आग का लंबे समय तक सामना करने के लिए अपने दल को मार्गदर्शित करने के अपने प्रयासों को दृढ़ता से जारी रखा। उनके प्रयासों की वजह से ही आग को चमत्कारिक रूप से बुझाया जा सका।

2. भीषण आग, बारंबार होने वाले विस्फोटों एवं खराब मौसम के कारण बनी चुनौतीपूर्ण एवं खतरनाक स्थिति के बावजूद, अधीनस्थ अधिकारी (एसओ) स्वेच्छा से बोर्डिंग दल का सदस्य बने। एसओ ने अपनी सुरक्षा की चिंता किए बिना, आकलन के लिए संकटग्रस्त पोत पर आरोहण करने के कठिन कार्य के प्रति अत्यंत बहादुरी एवं दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया। संकटग्रस्त पोत पर बनी विपरीत परिस्थितियों में उनकी सामयिक कार्यवाही की वजह से आग को सफलतापूर्वक बुझाया जा सका और गंभीर पर्यावरणीय खतरे को टाला जा सका।

3. प्रताप नारायण, प्रधान अधिकारी (एम इ), 02433-एल ने स्वयं को बखूबी सिद्ध किया है और फलस्वरूप इन्हें तटरक्षक पदक (वीरता) प्रदान किया जाता है।

4. तटरक्षक पदक प्रदान करने संबंधी नियम 11(i) के तहत तटरक्षक पदक (वीरता) प्रदान किया जाता है तथा परिणामस्वरूप नियम 13 के अधीन तटरक्षक पदक (वीरता) प्राप्त करने वाले तटरक्षक कार्मिकों को विशेष भत्ता स्वीकार्य है जोकि राष्ट्रपति सचिवालय अधिसूचना सं. 50-प्रेस/89 दिनांक 7 जून 1989 में अधिसूचित है।

फ. सं 18007/1/2020-सीए-II

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 171-प्रेस/2021—राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस, 2021 के अवसर पर, यदुराज यादव, प्रधान अधिकारी (एम इ), 02497-जेड को वीरता के लिए तटरक्षक पदक सहर्ष प्रदान करते हैं।

प्रशस्ति उल्लेख

लगभग 3 लाख मैट्रिक टन कुवैत कच्चा तेल ले जा रहे “एमटी न्यू डायमंड” पोत ने दिनांक 03 सितंबर 2020 को “इंजन रूम फायर” के लिए “मेडे” का संकेत दिया। भारतीय तटरक्षक पोत शौर्य के संकटग्रस्त पोत तक पहुंचने पर यदुराज यादव, प्रधान अधिकारी (एम इ) ने अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना ही अनायास ही अग्निशमन मॉनिटर का नियंत्रण किया और बड़ी बहादुरी से अग्नि को शांत करने के लिए तेज ऊष्मा का सामना किया। पोत के प्रभावित भाग में तापमान 1400 डिग्री सेंटीग्रेड से भी अधिक बढ़ रहा था और आंतरिक विस्फोट के कारण पोत भीषण ऊष्म शॉक्स का अनुभव कर रहा था। अटल विश्वास और अनुकरणीय सैनिक के रूप में शानदार प्रदर्शन के साथ, अधीनस्थ अधिकारी(एसओ) ने झुलसा देने वाली गर्मी का लगातार सामना किया और कुशलतापूर्वक बाउंड्री क्लींग करके पोत के अत्यंत ज्वलनशील कार्गो अनुभाग में आग के फैलाव को रोक। उनके अत्यंत कठिन प्रयासों से ही अन्य सहायक पोतों के अग्निशमन कार्य एवं बाद के बचाव कार्य के लिए क्षतिग्रस्त पोत तक आसानी से पहुंच संभव हुई।

2. एस ओ ने अपने आप को इस प्रयास तक सीमित न रखा और तत्पश्चात स्वेच्छा से क्षति के आगे का आकलन एवं उससे संबंधित आवश्यक कार्यों के लिए पोतारोहण किया। उन्होंने अपने उत्कृष्ट दृष्टिकोण से ही संपूर्ण अभियान को सफलतापूर्वक संपन्न किया। एस ओ द्वारा प्रदर्शित प्राकृतिक तत्वों से अप्रभावित साहस एवं दृढ़ संकल्प से ही आग पर नियंत्रण किया जा सका और वे सैन्य बल के सदस्य के रूप में अनुकरणीय कौशल का प्रतीक रहे।

3. यदुराज यादव, प्रधान अधिकारी (एम इ), 02497-जेड ने स्वयं को बखूबी सिद्ध किया है और फलस्वरूप इन्हें तटरक्षक पदक (वीरता) प्रदान किया जाता है।

4. तटरक्षक पदक प्रदान करने संबंधी नियम 11(i) के तहत तटरक्षक पदक (वीरता) प्रदान किया जाता है तथा परिणामस्वरूप नियम 13 के अधीन तटरक्षक पदक (वीरता) प्राप्त करने वाले तटरक्षक कार्मिकों को विशेष भत्ता स्वीकार्य है जोकि राष्ट्रपति सचिवालय अधिसूचना सं. 50-प्रेस/89 दिनांक 7 जून 1989 में अधिसूचित है।

फ. सं 18007/1/2020-सीए-II

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 172-प्रेस/2021—राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस, 2021 के अवसर पर, रवि कुमार, उत्तम नाविक (एम इ), 13104-एम को वीरता के लिए तटरक्षक पदक सहर्ष प्रदान करते हैं।

प्रशस्ति उल्लेख

भारतीय तटरक्षक पोत सुजय को श्रीलंका के निकट मुक्त रूप से विचरित पोत “एमटी न्यू डायमंड” पर अग्निशमन अभियान हेतु दिनांक 03 सितंबर 2020 को निदेश दिया गया। पोत संकटग्रस्त पोत से 50 मीटर की न्यूनतम दूरी पर संचालन कर रहा था। पोत के नजदीक जाने पर अग्निशमन प्रक्रिया काफी कठिन हो गई थी क्योंकि अग्नि से उत्पन्न ऊष्मा ऊपरी डेक पर महसूस हो रही थी। उसी समय, रवि कुमार उत्तम नाविक(एम इ) ने स्वेच्छा से पोत की बाह्य अग्निशमन प्रणाली के माध्यम से वाटर जेट का लगातार प्रयोग किया। घटना स्थल से निकल रही ऊंची लपटों एवं धुएं के कारण उत्पन्न तेज गर्मी के शॉक्स के बावजूद रवि कुमार ने अथक रूप से लंबे समय तक तेज ऊष्म में वाटर जेट का प्रयोग किया जिससे अंततः भड़की आग को शांत किया गया। पूरी प्रक्रिया के दौरान उत्तम नाविक (एमई) ने वास्तव में निस्वार्थ सेवा का परिचय दिया और अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना ही निरंतर रूप से अपनी झूटी का उचित निर्वहन किया।

2. कार्य अभी भी अधूरा बचा था क्योंकि पोत की सतह पर बने रहने की क्षमता का पता लगाना आवश्यक था। तकनीकी नाविक होने के नाते भर्ती कार्मिक को बोर्डिंग दल में भागीदारी की भी जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उन्होंने अग्नि द्वारा हुई क्षतियों का पता लगाने के लिए बोर्डिंग दल के साथ जोखिम उठाया। सविराम विस्फोटों ने उन्हें घटनास्थल तक पहुंचने से नहीं रोक सका और उन्होंने उग्र अग्नि के बावजूद पोतारोहण किया। उन्होंने क्षतियों का आकलन किया और तदनुसार अपने कमान को बताया। उनके बहुमूल्य इनपुट से निर्णय लेना अत्यंत आसान एवं उचित हो गया।

3. रवि कुमार, उत्तम नाविक (एम इ), 13104-एम ने स्वयं को बखूबी सिद्ध किया है और फलस्वरूप इन्हें तटरक्षक पदक (वीरता) प्रदान किया जाता है।

4. तटरक्षक पदक प्रदान करने संबंधी नियम 11(i) के तहत तटरक्षक पदक (वीरता) प्रदान किया जाता है तथा परिणामस्वरूप नियम 13 के अधीन तटरक्षक पदक (वीरता) प्राप्त करने वाले तटरक्षक कार्मिकों को विशेष भत्ता स्वीकार्य है जोकि राष्ट्रपति सचिवालय अधिसूचना सं. 50-प्रेस/89 दिनांक 7 जून 1989 में अधिसूचित है।

फ. सं. 18007/1/2020-सीए-II

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 173-प्रेस/2021—राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस, 2021 के अवसर पर निम्नलिखित अफसरों को सराहनीय सेवा के लिए तटरक्षक पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

(i) उप महानिरीक्षक कैलाश नेगी (0311-इ)

(ii) सोम लाल, प्रधान अधिकारी (आर पी), 00826-एच

2. सराहनीय सेवा के लिए तटरक्षक पदक प्रदान करने संबंधी नियम 11(ii) के तहत तटरक्षक पदक (सराहनीय सेवा) प्रदान किया जाता है जोकि राष्ट्रपति सचिवालय अधिसूचना सं. 50-प्रेस/89 दिनांक 7 जून 1989 में अधिसूचित है।

फ. सं. 18007/1/2020-सीए-II

एस एम समी
अवर सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 26th January 2021

No. 88-Pres/2021—The President is pleased to award the President's Fire Service Medal for Gallantry to the under mentioned Officers/Officials of Delhi Fire Service:—

- i) Sh. Satyavan
Station Officer
- ii) Sh. Mahabir Singh
Leading Fireman
- iii) Late Amit Kumar (Posthumous)
Fire Operator
- iv) Sh. Manjeet Rana
Fire Operator

2. Sh. Satyavan, Station Officer, Sh. Mahabir Singh, Leading Fireman, Late Sh. Amit Kumar, Fire Operator and Sh. Manjeet Rana, Fire Operator were working in Delhi Fire Service during the year 2020.

3. On 02.01.20 at 0416 hrsa call received at Fire Control Room that a fire is at D-7 Udyognagar Industrial area near Peeragarhi. On receipt of call Fire Tenders from Udyog Nagar and JwalaHeri in command of Station Officer Sh. Satyavan rushed to the spot. On reaching it is found that intense heat and dense smoke from the basement is coming out. He along with Sh. Mahabir Singh, Leading Fireman, Sh. Amit Kumar and Sh. Manjeet Rana, Fire Operator immediately started firefighting from either side. After some time Assistant Divisional Officer Sh. A.K. Jaiswal, Divisional Officer Sh. A.K. Malik and Deputy Chief Fire Officer Sh. Dhrampal Bhardwaj also reached to the fire scene and declared the fire as medium and major category. A core group comprising of approximately 20 Fire Service Personnel under the command of Deputy Chief Fire Officer made out an all out attack to arrest the spread of fire to the adjoining properties. Working under adverse and unfavorable circumstances of high heat, hot gases and dense smoke and without caring the risk to their live they reached to the seat of fire in the basement and were successful in arresting the spread of fire. Unfortunately the building, which was on fire suddenly collapsed due to blast in the basement. Fire Operator Sh. Amit Kumar, Sh. Manjeet Rana, Leading Fireman Sh. Mahabir Singh and Station Officer Sh. Satyavan were trapped under the debris. Crew found them and admitted in Hospital. Fire operator Sh. Amit Kumar succumbed to injuries in hospital.

4. Sh. Satyavan, Station Officer, Sh. Mahabir Singh, Leading Fireman, Late Sh. Amit Kumar, Fire Operator and Sh. Manjeet Rana, Fire Operator thus displayed conspicuous gallantry, exemplary courage, professional expertise, leadership and devotion to duty of a very high order.

5. These awards are made for gallantry under Rule 3 (i) of the Rules governing the award of President's Fire Service Medal for Gallantry and consequently carries with it special allowance admissible under rule 5 (a) w.e.f. 02.01.2020.

F.No. 18005/1/2020-CA-II

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 89-Pres/2021—The President is pleased to award the President's Fire Service Medal for Gallantry to the under mentioned Officials of Jammu & Kashmir Fire & Emergency Services:—

- i) Late Rattan Chand (Posthumous)
Leading Fireman
- ii) Late Mohmad Aslam (Posthumous)
Selection Grade Fireman
- iii) Late Vimal Raina (Posthumous)
Fireman

2. Late Rattan Chand, Leading Fireman, Late Mohamad Aslam, Selection Grade Fireman and Late Vimal Raina Fireman were working in Jammu & Kashmir Fire & Emergency Services during the year 2020.

3. On 12.02.20 at 0450 hrsa fire call received at Fire & Emergency Services Control Room, Gandhi Nagar, Jammu regarding outbreak of fire in building at Gole Pulley, TalabTillo, Jammu. On receipt of call, immediately firefighting team rushed to the spot. On reaching the spot it is found that the fire is in a triple storey having dump of timber logs at ground floor with opening only from the front and rear side. The building was located in densely populated area. Without wasting time Sh. Rattan Chand, Leading Fireman, Sh. Mohamad Aslam, Selection Grade Fireman and Sh. Vimal Raina Fireman started firefighting operation. Without caring the risk to their live they entered the burning building and safely evacuated two

civilians from the building. To control the fire they further entered the building in the meantime the building suddenly collapsed and some fire fighters got trapped under the debris of the building including Leading Fireman Sh. Rattan Chand, Selection Grade Fireman Sh. Mohamad Aslam and Fireman Sh. Vimal Raina. They were evacuated and shifted to GMC Jammu by NDRF and SDRF where they were declared dead.

4. Late Rattan Chand, Leading Fireman, Late Mohamad Aslam, Selection Grade Fireman and Late Vimal Raina Fireman thus displayed conspicuous gallantry, exemplary courage, professional expertise, leadership and devotion to duty of a very high order.

5. These awards are made for gallantry under Rule 3 (i) of the Rules governing the award of President's Fire Service Medal for Gallantry and consequently carries with it special allowance admissible under rule 5 (a) w.e.f. 12.02.2020.

F.No. 18005/1/2020-CA-II

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 90-Pres/2021—The President is pleased to award the President's Fire Service Medal for Gallantry to the under mentioned Official of Tamil Nadu Fire & Rescue Services:—

Late Rajkumar Rajenderan (Posthumous)
Fireman

2. Late Rajkumar Rajenderan, Fireman, was working in Tamil Nadu Fire & Rescue Services during the year 2020.

3. On 12.07.2020 around 17.27 hrs a rescue call received at Perambalur Fire & Rescue Station about the trapping of two persons in a well at Selliampalayam, Perambalur Taluk, Perambalur District. On receipt of call, Station officer P. Sathiyavarthan along with his crew immediately rushed to the spot. On reaching the site, the crew found that two persons trapped in 65 feet well and were fighting for their lives. Analyzing the seriousness of the situation, the Fireman 8149 Sh. R. Rajkumar immediately came forward to descend to the well, without caring to the risk involved to his life. As one of the trapped persons Baskaran was struggling to breath, the Fireman 8149 R. Rajkumar, put the rescue knot and signaled the crew members to drag the rope by which the Baskar was rescued and admitted in the nearest hospital. While trying to rescue the second person, the Fireman 8149 ThiruR.Rajkumar fainted and fed down due to poisonous gas in the well. Immediately the crew member ThiruM.Balraj, Fireman 8840 and ThiruD.Dhanapal Fireman Driver 8601 rescued the Fireman 8149 ThiruR.Rajkumar and admitted in the hospital where he was declared dead.

4. Late Rajkumar Rajenderan, Fireman, thus displayed conspicuous gallantry, exemplary courage, professional expertise, and devotion to duty of a very high order.

5. These awards are made for gallantry under Rule 3 (i) of the Rules governing the award of President's Fire Service Medal for Gallantry and consequently carries with it special allowance admissible under rule 5 (a) w.e.f. 12.07.2020.

F.No. 18005/1/2020-CA-II

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 91-Pres/2021—The President is pleased to award the Fire Service Medal for Gallantry to the under mentioned official of Karnataka State Fire & Emergency Services:—

Sh. Suganagouda
Fireman Driver

2. Sh. Suganagouda, Fireman Driver was working in Karnataka State Fire & Emergency Services during the year 2019.

3. On 12/08/2019 morning 2.70 lakh cusec water was released from a TB reservoir by which the Tungabhadra River was inundated. Over 360 tourist including foreign nationals were stranded across the overflowing river at VirupapuraGadde in Gangavathi Taluk of Koppal District. After receiving the information Sh. P.R. S. Chetan, Additional Chief Officer Commanding along with Sh. GowthamHebbyurGurumurthy, Deputy Divisional Warden, Sh. Nagaraju P Home Guard and Sh. Suganagouda Fireman Driver with crew members rushed to Koppal District and started rescue operation.

4. Sh. Chetan along with the team without caring to safety to their live took up the challenge of rescuing people stranded across the overflowing river will know for turbulence, killer rocks, whirlpools & crocodiles. The rescue team took multiple sorties using Rubber Boat with OBM operated by Sh. Suganagouda, Fireman Driver which was one of the most risky operations, but was inevitable to save lives. Crew while crossing the river, their boat capsized in the middle of the Tungabhadra River due to high current/flow of water Sh. Suganagouda washed away. Sh. Suganagouda, Fireman Driver tried holding on to tree for few minutes but due to high current of water he was also again washed away. Sh. Suganagouda,

Fireman Driver struck in a bush and in extreme harsh condition and tried his best with courage to stay alive despite odds. Sh. Sukanagouda, Fireman Driver exhibited courage and valor to swim in turbulent river waters and saved himself with the help of local fisherman and villagers. Under tough and challenging condition the rescue team took the lead by crossing the river across overflowing Tunghabhadra and saved several precious lives. The crew under the command of Sh. Chetan continued rescue operation in the most difficult terrains for over one week, each lasted beyond 16-18 hours. At the end of the one week long gruelling rescue operations, the team achieved great results by saving 286 precious lives and innumerable cattle successfully.

5. Sh. Sukanagouda, Fireman Driver thus displayed conspicuous gallantry, exemplary courage, professional expertise and devotion to duty of a very high order.

6. These awards are made for gallantry under Rule 3 (i) of the Rules governing the award of Fire Service Medal for Gallantry and consequently carries with it special allowance admissible under rule 5 (a) w.e.f. 12.08.2019.

F.No. 18005/1/2020-CA-II

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 92-Pres/2021—The President is pleased to award the Fire Service Medal for Gallantry to the under mentioned official of Odisha Fire Service:—

Sh. Kasyap Kumar Pattanaik
Leading Fireman

2. Sh. Kasyap Kumar Pattanaik, Leading Fireman was working in Odisha Fire Service during the year 2019.

3. On 22.11.2019 at 10:25 hrs the Chief Librarian informed Saheed Nagar Police Station and Bhubaneswar Fire Station that Sh. Subodh Kumar Barik of Vill-Praharajpur, PS-Pattamundai, Dist-Kendrapara climbed at 80 feet height canopy of Parija Library and threatened to jump down. Fire & Rescue Services Bhubaneswar Fire Station reached the spot and tried their best for hours to rescue Sh. Subodh Kumar Barik but failed in several attempts. Shri Ramesh Chandra Majhi, Deputy Fire Officer, sought the help of trainers of Odisha Fire & Disaster Response Academy. A team of Odisha Fire & Disaster Response Academy reached the spot including Leading Fireman Sh. Kasyap Kumar Pattanaik. Leading Fireman Sh. Kasyap Kumar Pattanaik along with Police Officer of Saheed Nagar Police Station and cousin of Sh. Subodh Kumar Barik by using a Hydraulic platform reached near to Sh. Subodh Kumar Barik at the height of 80 feet. While cousin of Sh. Subodh Kumar Barik talking with him, Leading Fireman Sh. Kasyap Kumar Pattanaik jumped over the canopy of Parija Library without caring to risk of his life from the sloppy rooftop and overpowered to Sh. Subodh Kumar Barik and rescued him alive. The victim was shifted to Capital Hospital, Bhubaneswar for treatment.

4. Sh. Kasyap Kumar Pattanaik, Leading Fireman thus displayed conspicuous gallantry, exemplary courage, professional expertise and devotion to duty of a very high order.

5. These awards are made for gallantry under Rule 3 (i) of the Rules governing the award of Fire Service Medal for Gallantry and consequently carries with it special allowance admissible under rule 5 (a) w.e.f. 22.11.2019.

F.No. 18005/1/2020-CA-II

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 93-Pres/2021—The President is pleased on the occasion of the Republic Day, 2021 to award the President's Fire Service Medal for Distinguished Service to the under mentioned officers :—

- 1 SH. AMRATLAL CARSANE
ASSISTANT DIRECTOR
DAMAN & DIU
- 2 SH. RAJESH PANWAR
CHIEF FIRE OFFICER
DELHI
- 3 SH. SANJAY KUMAR TOMAR
DEPUTY CHIEF FIRE OFFICER
DELHI
- 4 SH. BASAVANNA CHIKKA BASAVIAH
DEPUTY DIRECTOR
KARNATAKA

- 5 SH. PRAVEEN
ASSISTANT FIRE STATION OFFICER
KARNATAKA
- 6 SH. GEORGE T. A.
ASSISTANT STATION OFFICER
KERALA
- 7 SH. DEVENDRA PRABHAKAR POTPHODE
CHIEF FIRE OFFICER
MAHARASHTRA
- 8 SH. KAMALA KANTA PUHAN
LEADING FIREMAN
ODISHA
- 9 SH. INDRA KUMAR RAI
DEPUTY CHIEF FIRE OFFICER
SIKKIM
- 10 SH. PRATAP SINGH RAWAT
ASSISTANT SUB-INSPECTOR (FIRE)
CISF, MHA
- 11 SH. HARISHA SRINIVASA
ASSISTANT SUB-INSPECTOR (FIRE)
CISF, MHA
- 12 SH. HAMBIR SINGH
ASSISTANT SUB-INSPECTOR (FIRE)
CISF, MHA
- 13 SH. JAGDISH FAQIRCHAND BATHAV
JUNIOR DEMONSTRATOR
NFSC, MHA

2. These awards are made under Rule 3 (ii) of the rules governing the award of President's Fire Service Medal for Distinguished Service.

F.No. 18005/1/2020-CA-II

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 94-Pres/2021—The President is pleased on the occasion of the Republic Day, 2021 to award the Fire Service Medal for Meritorious Service to the under mentioned officers :—

- 1 SH. MOTI LAL PAUL
SUB-INSPECTOR (STATION OFFICER)
ANDAMAN & NICOBAR
- 2 SH. MALI BURU
STATION OFFICER
ARUNACHAL PRADESH
- 3 SH. GAKUL CHANDRA DAS
SUB-OFFICER
ASSAM
- 4 SH. BIPUL KUMAR DAS
LEADING FIREMAN
ASSAM
- 5 SH. KRISHNA PRASAD SINGH
FIRE STATION OFFICER
BIHAR
- 6 SH. SUDAMA RAM
LEADING DRIVER
BIHAR

-
- | | |
|----|--|
| 7 | SH. TULCIDAS MANGARI
ASSISTANT STATION FIRE OFFICER
DAMAN & DIU |
| 8 | SH. RAJESH KUMAR
ASSISTANT DIVISIONAL OFFICER
DELHI |
| 9 | SH. YASHWANT SINGH MEENA
STATION OFFICER
DELHI |
| 10 | SH. RAM PAL
LEADING FIREMAN
DELHI |
| 11 | SH. SUBHASH CHANDER BARTHWAL
ASSISTANT WIRELESS OFFICER
DELHI |
| 12 | SH. ASHOK KUMAR
SUB FIRE OFFICER
HIMACHAL PRADESH |
| 13 | SH. PURAN SINGH
LEADING FIREMAN
JAMMU & KASHMIR |
| 14 | SH. SATPAL KHAJURIA
LEADING FIREMAN
JAMMU & KASHMIR |
| 15 | SH. G. KRISHNOJI
FIRE STATION OFFICER
KARNATAKA |
| 16 | SH. BANGERA YOGESH PADMAYYA
LEADING FIREMAN
KARNATAKA |
| 17 | SH. M. TULASAIRAMAPPA
FIREMAN DRIVER
KARNATAKA |
| 18 | SH. BEDRALA RAVINDRANATH RAJESH
FIREMAN
KARNATAKA |
| 19 | SH. ABDUL RASHEED K.
REGIONAL FIRE OFFICER
KERALA |
| 20 | SH. NASAR P.
SENIOR FIRE & RESCUE OFFICER
KERALA |
| 21 | SH. SANJAY DADAJI PAWAR
IN CHARGE CHIEF FIRE OFFICER
MAHARASHTRA |
| 22 | SH. DHARMARAJ NARAYANRAO NAKOD
ASSISTANT STATION OFFICER
MAHARASHTRA |
| 23 | SH. RAJARAM KALU KEDARI
LEADING FIREMAN
MAHARASHTRA |
| 24 | SH. WANLAMBOK LAPANG
LEADING FIREMAN
MEGHALAYA |

-
- | | |
|----|--|
| 25 | SH. VANLALRUALA
LEADING FIREMAN
MIZORMA |
| 26 | SH. A. W. JAMIR
INSPECTOR(FIRE)
NAGALAND |
| 27 | SH. SARAT CHANDRA MALLICK
ASSISTANT FIRE OFFICER
ODISHA |
| 28 | SH. PRADEEP KUMAR PATTANAİK
STATION OFFICER
ODISHA |
| 29 | SH. PRAKASH KUMAR BEHERA
LEADING FIREMAN
ODISHA |
| 30 | SH. BALABHADRA DEHURY
DRIVER HAVILDAR
ODISHA |
| 31 | SH. VISHAL KUMAR GURUNG
CHIEF FIRE OFFICER
SIKKIM |
| 32 | SH. RATHAKRISHNAN ALAGIRISAMY RAJU
STATION OFFICER
TAMIL NADU |
| 33 | SH. ANGAMUTHU MUTHUSAMY
DRIVER MECHANIC
TAMIL NADU |
| 34 | SH. MURALIDHARAN NAAMATH COTTATTA
FIREMAN DRIVER
TAMIL NADU |
| 35 | SH. CHELLAPANDI PITCHAI
FIREMAN
TAMIL NADU |
| 36 | SH. YAGNA NARAYANA ANNAPAREDDY
DISTRICT FIRE OFFICER
TELANGANA |
| 37 | SH. JAGADISHWAR KATTA
LEADING FIREMAN
TELANGANA |
| 38 | SH. SANTOSH KUMAR RAI
CHIEF FIRE OFFICER
UTTAR PRADESH |
| 39 | SH. DAYA KISHAN
FIRE STATION SECOND OFFICER
UTTARAKHAND |
| 40 | SH. KUNWAR SINGH RANA
LEADING FIREMAN
UTTARAKHAND |
| 41 | SH. SATYABRATA ROY
STATION OFFICER
WEST BENGAL |
| 42 | SK. EMAMUL HOSSAIN
SUB-OFFICER
WEST BENGAL |

- | | |
|----|---|
| 43 | SH. RABIN KUNDU
LEADER
WEST BENGAL |
| 44 | SH. MILAN KUMAR DUTTA
FIRE OPERATOR
WEST BENGAL |
| 45 | SH. SHIV PRATAP
ASSISTANT COMMANDANT (FIRE)
CISF, MHA |
| 46 | SH. MANJUNATHA R
ASSISTANT SUB-INSPECTOR (FIRE)
CISF, MHA |
| 47 | SH. RAMESH RAMAJI DHARNE
FIRE & RESCUE OPERATOR
NFSC, MHA |
| 48 | SH. DARSINGH MADAVSINGH CHAUDHARY
CHIEF FIREMAN
M/O PET. & NATURAL GAS |
| 49 | SH. NAIZU AMBATT VARKEY
DEPUTY GENERAL MANAGER (FIRE & SAFETY)
M/O PET. & NATURAL GAS |
| 50 | SH. DEBA KANTA BARUAH
SUPERVISOR (FIRE SERVICE)
M/O PET. & NATURAL GAS |

2. These awards are made under Rule 3 (ii) of the rules governing the award of Fire Service Medal for Meritorious Service.

F.No. 18005/1/2020-CA-II

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 163-Pres/2021—The President is pleased to award the President's Home Guards and Civil Defence Medal for Gallantry to the under mentioned official of Odisha Home Guards and Civil Defence:—

Late Shri Banawasi Moharana
Home Guard

2. Late Shri. Banawasi Moharana, Home Guard was working in Odisha Home Guards during the year 2020.

3. On 5th September 2020, Police Station, Orkelgot credible information about 100 persons transporting contraband Ganja from Chitrakonda Police Station area to Bargaon under Mathili Police Station. Immediately a team of 24 police personnel including Shri Banawasi Moharana of Orkel Police Station proceeded to apprehend them. During the operation, Shri Moharana was well versed with the fact that these traffickers carry deadly weapons and they would not spare anybody obstructing them. Even after greatly outnumbered by the traffickers, Shri Moharana challenged the bands of outlaws courageously and fought bravely and gallantly. Unfortunately, being at the fore front of the operation, he was brutally assaulted by the traffickers. Due to his valiant efforts, police team was able to seize more than 1917 Kgs of contraband Ganja and apprehend 42 Ganja traffickers.

4. Late Shri. Banawasi Moharana, Home Guard thus displayed conspicuous gallantry, exemplary courage, professional expertise and devotion to duty of a very high order.

5. These awards are made for gallantry under Rule 3(i) of the Rules governing the award of President's Home Guards and Civil Defence Medal for Gallantry and consequently carries with it special allowance admissible under Rule 5 w.e.f. 05/09/2020.

F.No. 18005/1/2020-CA-II

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 164-Pres/2021—The President is pleased to award the President's Home Guards and Civil Defence Medal for Gallantry to the under mentioned official of Rajasthan Home Guards:—

Late Shri Kewal Singh
Home Guard Volunteer (Border)

2. Late Shri. Kewal Singh, Home Guard Volunteer (Border) was working in Rajasthan Home Guards during the year 2020.

3. On 26th July 2020, Shri Kewal Singh, was deployed alone as security guard at the Baldevgarh Check post, in Sariska Tiger Security Reserve, Alwar. While safeguarding the forest, he observed that a group of people, with few trolleys were doing illegal stone mining in the forest area. He followed his call of duty and challenged them bravely. The illegal mining mafia tried to flee from the spot; meanwhile, the courageous jawan displayed exemplary fearlessness and made every possible effort to capture them. But the immoral and brutal Mafia crushed Shri Kewal Singh under the trolley loaded with stones. During the course of the duty he made a supreme sacrifice by living up the motto of Home Guards and has become an epitome of selfless service in the Rajasthan Home Guards.

4. Late Shri Kewal Singh, Home Guard Volunteer (Border) thus displayed conspicuous gallantry, exemplary courage, professional expertise and devotion to duty of a very high order.

5. These awards are made for gallantry under Rule 3(i) of the Rules governing the award of President's Home Guards and Civil Defence Medal for Gallantry and consequently carries with it special allowance admissible under Rule 5 w.e.f. 26/07/2020.

F.No. 18005/1/2020-CA-II

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 165-Pres/2021—The President is pleased to award the President's Home Guards and Civil Defence Medal for Gallantry to the under mentioned official of Rajasthan Home Guards:—

Late Shri. Bhawani Singh
Home Guard Volunteer (Border)

2. Late Shri. Bhawani Singh, Home Guard Volunteer (Border) was working in Rajasthan Home Guards during the year 2020.

3. On 17th September 2020, Shri Bhawani Singh along with Assistant Mining Engineer and a team of Mandawar police station were deployed at the check post near Gopalgarh village (Dausa). Around 2 PM, they observed that four tractor were illegally taking the gravel. The team seized the tractor trolley to hand over to the nearest police station. During the course, one of the tractor drivers ran away leaving his tractor behind. Shri Singh and other constables mounted on the tractor and took charge of it. On their way back, one of the tractor trolley slipped off the road and stuck in the sand, thus two constables were left behind to guard the trolley. Later near Garh Himmat Singh Village, 6 to 7 (illegal Mafia) mounted on scorio and a modified jeep came out of nowhere and threatened the team to leave the tractors. They provoked their driver to push the volunteer and the constables down from their tractor. They isolated the tractor of Shri Singhas it was ahead and attacked him. Shri Singh did not give up and kept holding the driver and did not let him run away. The mafia conspired and attacked him from all sides and pushed him down from the tractor and within a matter of second he was over run by the tractor trolley. In the extremely challenging situation, Shri Singh faced the mafia bravely, got grievously injured and while on the way to hospital, he succumbed to the injuries and made a supreme sacrifice.

4. Late Shri. Bhawani Singh, Home Guard Volunteer (Border) thus displayed conspicuous gallantry, exemplary courage, professional expertise and devotion to duty of a very high order.

5. These awards are made for gallantry under Rule 3(i) of the Rules governing the award of President's Home Guards and Civil Defence Medal for Gallantry and consequently carries with it special allowance admissible under Rule 5 w.e.f. 17/09/2020.

F.No. 18005/1/2020-CA-II

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 166-Pres/2021—The President is pleased to award the President's Home Guards and Civil Defence Medal for Distinguished Service to the under mentioned officials of Home Guards & Civil Defence:—

1. SH. BALJIT SINGH SOLANKI
ADDL. CHIEF WARDEN (CD)
DELHI
2. SH. PRIYA BRAT SHARMA
COMPANY COMMANDER (HG)
HIMACHAL PRADESH
3. SH. PRADIP KUMAR PATTANAİK
COMPANY COMMANDER (HG)
ODISHA
4. SH. SUDAM CHARAN PATTANAİK
PLATOON COMMANDER (HG)
ODISHA

2. These awards are made under Rule 3 (ii) of the rules governing the award of President's Home Guards & Civil Defence Medal for Distinguished Service.

F.No. 18005/1/2020-CA-II

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 167-Pres/2021—The President is pleased to award the Home Guards and Civil Defence Medal for Meritorious Service to the under mentioned officials of Home Guards & Civil Defence:—

1. SMT. ANNAKUTTY THOMAS
HOME GUARD(R)/154
ANDAMAN & NICOBAR
2. SMT. G. NEELA VENI
HOME GUARD(R)/186
ANDAMAN & NICOBAR
3. SH. HEMANGA TALUKDAR
JUNIOR STAFF OFFICER (CD)
ASSAM
4. SH. PARESH CHANDRA PATHAK
SUBEDAR (HG)
ASSAM
5. SH. ATUL CHANDRA BARMAN
PLATOON COMMANDER (HG)
ASSAM
6. SH. MAHADEV SARMA
PLATOON COMMANDER (HG)
ASSAM
7. SH. GOPAL CHANDRA DAS
POST WARDEN (CD)
ASSAM
8. SH. ABHAY KUMAR SINHA
HOME GUARD
BIHAR
9. SH. LALITESHVAR PRASAD
HOME GUARD
BIHAR
10. SH. SUKHVIR SINGH
PLATOON SERGEANT (HG)
CHANDIGARH

11. SH. SANJAY KUMAR MISHRA
DISTRICT COMMANDANT (HG)
CHHATTISGARH
12. SH. NARSINGH NETAM
DISTRICT COMMANDANT (HG)
CHHATTISGARH
13. SH. JITENDRA KUMAR MISHRA
COMPANY QUARTER MASTER (HG)
CHHATTISGARH
14. SH. JEEVAN LAL KANNOJE
NAIK (HG)
CHHATTISGARH
15. SH. GULAB SINGH RAJPUT
LANCE NAIK (HG)
CHHATTISGARH
16. SH. GOVIND PRAKASH TAWAR
SAINIK (HG)
CHHATTISGARH
17. SH. JEETENDAR KUMAR MAHTO
JUNIOR INSTRUCTOR (CD)
DELHI
18. SH. HIRDESH KUMAR CHAUHAN
FIELD MESSENGER (CD)
DELHI
19. SH. IQBAL SINGH JAGDEVA
SENIOR CHIEF WARDEN (CD)
DELHI
20. MISS MINAXI ANANT KUBAL
HON. PLATOON COMMANDER (HG)
GOA
21. SMT. NAYAN DIPU VELINGKAR
HOME GUARD VOLUNTEER
GOA
22. SH. RAJESH KUMAR KESHAVLAL BHOI
SR. INSTRUCTOR (HG)
GUJARAT
23. SH. KANTIBHAI AMBALAL PATEL
JUNIOR STAFF OFFICER (HG)
GUJARAT
24. SH. LALITCHANDRA HARISHANKAR VYAS
SUB INSPECTOR INSTRUCTOR (HG)
GUJARAT
25. SH. TEJABHAI RAMJIBHAI SOLANKI
HAVALDAR (B.W.HG)
GUJARAT
26. SH. KARANSINH SHIVSINH KUMPAVAT
SECOND IN COMMAND (B.W.HG)
GUJARAT
27. SH. ASHOKSINH LAXMANSINH JADEJA
SUBEDAR COMPANY COMMANDER (B.W.HG)
GUJARAT
28. SH. ARVINDBHAI GANPATBHAI BENKAR
NAIB SUBEDAR PLATOON COMMANDER (B.W.HG)
GUJARAT

29. SH. MOHIT SHARMA
CHIEF WARDEN (CD)
HARYANA
30. SH. VIRENDER SINGH MEHTA
PLATOON COMMANDER (HG)
HIMACHAL PRADESH
31. SH. NAGESHWAR KUMAR
PLATOON COMMANDER (HG)
HIMACHAL PRADESH
32. SH. MANISH SINGH CHAUHAN
SR. STAFF OFFICER (HG)
MADHYA PRADESH
33. SH. MAHESH KUMAR PANDRE
DIVISIONAL COMMANDANT (HG)
MADHYA PRADESH
34. MRS. PRITI BALA SINGH
DIVISIONAL COMMANDANT (HG)
MADHYA PRADESH
35. SH. THIORIS SULEIN
HAVILDAR (HG)
MEGHALAYA
36. SH. PHERSON RANEE
LANCE NAIK (HG)
MEGHALAYA
37. MD FARUQ HUSSAIN
FIREMAN (CD)
MEGHALAYA
38. SH. RAJKUMAR PAL
PLATOON COMMANDER (HG)
ODISHA
39. SH. BHAWANI SANKAR KANHAR
HOME GUARD
ODISHA
40. SH. SISIRAKANT SAHU
HOME GUARD
ODISHA
41. SH. AKSHAYA KUMAR NAYAK
HOME GUARD
ODISHA
42. SH. RAVINDRA SINGH CHAUHAN
COMPANY COMMANDER (HG)
RAJASTHAN
43. SH. SHASHI SHEKHAR SHARMA
PLATOON COMMANDER (HG)
RAJASTHAN
44. SH. AKHIL DEBBARMA
HOME GUARD VOLUNTEER
TRIPURA
45. SH. LALIT MOHAN JOSHI
DIVISIONAL COMMANDANT (HG)
UTTARAKHAND
46. SH. CHANDRAKISHORE
INSPECTOR (HG)
UTTARAKHAND

47. SH. B. BASKAR
SR. INSPECTOR (CD)
MINISTRY OF RAILWAY

2. These awards are made under Rule 3 (ii) of the rules governing the award of Home Guards & Civil Defence Medal for Meritorious Service.

F.No. 18005/1/2020-CA-II

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 168-Pres/2021—The President is pleased on the occasion of the Republic Day, 2021 to award the President's Tatrakshak Medal for Distinguished Service to the under mentioned officers:—

- (i) Inspector General Dev Raj Sharma, Tatrakshak Medal (5015-V)
- (ii) Inspector General Arun Shrivastav, Tatrakshak Medal (4025-V)

2. The President's Tatrakshak Medal for Distinguished Service award is made under Rule-4(iv) of the rules governing grant of the President's Tatrakshak Medal for Distinguished Service i.e President's Secretariat Notification No. 50-Pres/89 dated 7th June, 1989.

F. No. 18007/1/2020-CA-II

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 169-Pres/2021—The President is pleased on the occasion of the Republic Day, 2021 to award the Tatrakshak Medal for Gallantry to Deputy Inspector General Anurag Kaushik (0428-V).

CITATION

On 03 September 2020, ICG Ship Sujay was directed to undertake fire-fighting operations of 'MT New Diamond' reported adrift off Sri Lanka. Deputy Inspector General Anurag Kaushik on reaching the datum displayed a sangfroid disposition and professional adroitness of high order while handling the ship at close proximity to casualty ship where one spark could have resulted in cataclysm of unprecedented scale within a fraction of second. Despite the challenging and treacherous situation prevalent at the site due to the ravaging fire, sporadic explosions, inflammable cargo and inclement weather, the officer sagaciously monitored the flying operations and guided boarding party to safely embark the casualty ship for connecting the tow.

2. The Officer as On Scene Commander, had concurrent tasks to perform, viz. coordination with on scene units including monitoring I directing units engaged in fire-fighting, boarding, flying operations and constantly apprise the shore authorities with updated information so as to facilitate an informed decision making ashore with regard to planning the turnaround of units and coordinate with owners of the vessel for updated information. During the entire operation, the Officer exercised hard hold of assets comprising of 26 units (09 ICG, 01 IN, 05 SLN and 11 tugs) in area towards synergized and effective fire-fighting. With a tenacity to complete the mission and acting against all odds imposed by vagaries of weather, the Officer displayed courage and professionalism of highest order.

3. Deputy Inspector General Anurag Kaushik (0428-V) has accredited himself well and therefore he is awarded the Tatrakshak Medal (Gallantry).

4. The Tatrakshak Medal (Gallantry) award is made under Rule 11(i) of the rules governing grant of Tatrakshak Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under Rule 13 in respect of Coast Guard personnel who have received the Tatrakshak Medal (Gallantry) award i.e President's Secretariat Notification No. 50-Pres/89 dated 7th June, 1989.

F. No. 18007/1/2020-CA-II

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 170-Press/2021—The President is pleased on the occasion of the Republic Day, 2021 to award the Tatrakshak Medal for Gallantry to Pratap Narayan, Pradhan Adhikari (ME), 02433-L.

CITATION

Pratap Narayan, Pradhan Adhikari (ME) played a pivotal role in successfully combating the inferno onboard Very Large Crude Carrier (VLCC) 'MT New Diamond' off Sri Lanka on 03 Sep 2020. He timely apprehended the shortfall of External Fire Fighting (EFF) system to identify the precise seat of fire. The exact location of seat of fire is imperative to extinguish it so, he manually operated the monitor aiming the water jet consistently to the seat of fire. The heavy roll and pitch hampered the accuracy of seat of fire but he was undeterred. The heat due to proximity of fire also exasperated the severity of firefighting operation. However, he gallantly persevered in his efforts to wheedle his team from the front to fight the fire for prolonged hours despite explosions. His efforts miraculously smothered the fire.

2. Despite the challenging and dangerous build up due to the ravaging fire, frequent explosions and inclement weather, the Subordinate Officer (SO) volunteered to be a part of the boarding team. SO displayed utmost bravery and determination towards the arduous task of boarding the casualty for assessment with no regards to his own safety. His timely action in the adverse situation prevailing onboard the casualty, assisted in successfully dousing the fire and averting major environmental threat.

3. Pratap Narayan, Pradhan Adhikari (ME), 02433-L has accredited himself well and therefore he is awarded the Tatrakshak Medal (Gallantry).

4. The Tatrakshak Medal (Gallantry) award is made under Rule 11(i) of the rules governing grant of Tatrakshak Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under Rule 13 in respect of Coast Guard personnel who have received the Tatrakshak Medal (Gallantry) award i.e President's Secretariat Notification No. 50-Pres/89 dated 7th June, 1989.

F. No. 18007/1/2020-CA-II

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 171-Pres/2021—The President is pleased on the occasion of the Republic Day, 2021 to award the Tatrakshak Medal for Gallantry to Yaduraj Yadav, Pradhan Adhikari (ME), 02497-Z.

CITATION

On 03 September 2020, 'MT New Diamond' carrying about 3 Lakh Metric tons of Kuwait crude oil signaled a "Mayday" for "Engine room fire". ICG Ship Shaurya upon reaching the distressed ship, Yaduraj Yadav, Pradhan Adhikari (ME) disregarding to his personal safety spontaneously took over the controls of Fire-Fighting monitors and courageously stayed in the face of the roaring inferno to fight the fire. The temperatures in the affected section of the ship were shooting beyond 1400 °C and the ship was also experiencing massive heat shocks resulting out of internal explosions. With an unwavering resolve and a spectacular display of exemplary soldiering the Subordinate Officer (SO) relentlessly attacked the scorching blaze and restricted the spread of fire into the highly flammable cargo section of the ship by efficient boundary cooling. His herculean efforts enabled the other support vessels to comfortably approach the distressed ship for firefighting and subsequent salvage.

2. The SO did not circumscribe himself in this effort and subsequently volunteered to board the vessel for further assessment of the damage and requisite actions thereof. He could successfully complete the entire operation by virtue of his superlative approach. The grit and determination displayed by the SO brought the fire under control and are the epitome of exemplary attitude of a member of the Armed Forces.

3. Yaduraj Yadav, Pradhan Adhikari (ME), 02497-Z has accredited himself well and therefore he is awarded the Tatrakshak Medal (Gallantry).

4. The Tatrakshak Medal (Gallantry) award is made under Rule 11(i) of the rules governing grant of Tatrakshak Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under Rule 13 in respect of Coast Guard personnel who have received the Tatrakshak Medal (Gallantry) award i.e President's Secretariat Notification No. 50-Pres/89 dated 7th June, 1989.

F. No. 18007/1/2020-CA-II

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 172-Pres/2021—The President is pleased on the occasion of the Republic Day, 2021 to award the Tatrakshak Medal for Gallantry to Ravi Kumar, Uttam Navik (ME), 13104-M.

CITATION

On 03 September 2020, ICG Ship Sujay was directed to undertake fire-fighting operations of 'MT New Diamond' reported adrift off Sri Lanka. The ship operated as close as 50 metres from the distressed vessel. During the close quarter approaches, the fire-fighting was extremely difficult as heat from fire was felt on upper decks. At this juncture, Ravi Kumar, Uttam Navik(ME) volunteered to provide continuous water jet through ship's External Fire Fighting system. Despite strong heat shocks due to high flames and smoke emanating from casualty, Ravi Kumar relentlessly provided the water jet on the seat of fire for prolonged hours which ultimately resulted fire getting doused. During the entire operation, the Uttam Navik(ME) truly symptomised the ethos "service before self" and without thinking about his safety continued to perform his duty in a befitting manner.

2. The task was still half done as the floatability of the vessel was required to be ascertained. The Enrolled Personnel being a Technical sailor was also given the responsibility to be a part of the boarding team. He ventured with the boarding team to check the damages caused by the fire. The intermittent explosions did not dissuade him from approaching the casualty and he boarded the vessel despite raging inferno. He assessed the damages and accordingly briefed his command. His valuable inputs made the decision making much easier for neutralising the raging fire.

3. Ravi Kumar, Uttam Navik (ME), 13104-M has accredited himself well and therefore he is awarded the Tatrakshak Medal (Gallantry).

4. The Tatrakshak Medal (Gallantry) award is made under Rule 11(i) of the rules governing grant of Tatrakshak Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under Rule 13 in respect of Coast Guard personnel who have received the Tatrakshak Medal (Gallantry) award i.e President's Secretariat Notification No. 50-Pres/89 dated 7th June, 1989.

F. No. 18007/1/2020-CA-II

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 173-Pres/2021—The President is pleased on the occasion of the Republic Day, 2021 to award the Tatrakshak Medal for Meritorious Service to the under mentioned officers:—

- (i) Deputy Inspector General Kailash Negi (0311-E)
- (ii) Som Lal, Pradhan Adhikari (RP), 00826-H

2. The Tatrakshak Medal (Meritorious Service) award is made under 11(ii) of the rules governing grant of Tatrakshak Medal for Meritorious Service i.e President's Secretariat Notification No. 50-Pres/89 dated 7th June, 1989.

F. No. 18007/1/2020-CA-II

S.M. SAMI
Under Secretary